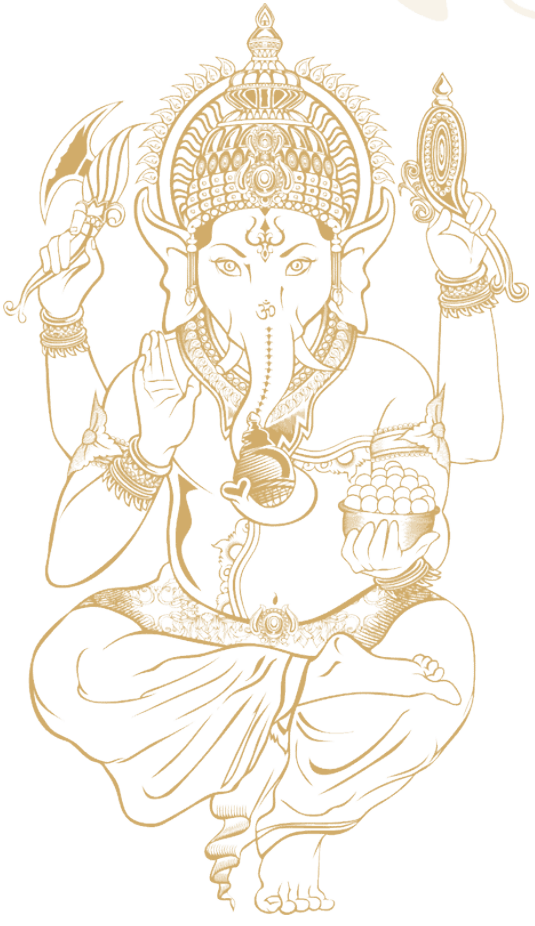

Mr.sujal kumar

11 Nov 2011

06:00 AM

Bhagalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121767202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/11/2011**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**06:00:00 घंटे**
इष्ट	00:09:41 घटी
स्थान	**Bhagalpur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:14:00 उत्तर
रेखांश	86:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:17:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:17:56 घंटे
वेलान्तर	00:16:04 घंटे
साम्पातिक काल	09:37:11 घंटे
सूर्योदय	05:56:07 घंटे
सूर्यास्त	16:55:55 घंटे
दिनमान	10:59:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	24:13:57 तुला
लग्न के अंश	24:18:02 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वरियान
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	24:18:02	313:34:42	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			तुला	24:13:57	01:00:17	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	नीच राशि
चंद्र			मेष	26:09:35	11:56:30	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	सम राशि
मंगल			सिंह	05:53:39	00:30:17	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	16:33:20	01:09:27	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मेष	09:32:26	00:07:36	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	16:43:27	01:14:32	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
शनि			कन्या	29:31:33	00:06:53	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	मित्र राशि
राहु	व		वृश्चि	20:18:51	00:02:43	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	20:18:51	00:02:43	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	सम राशि
हर्ष	व		मीन	06:58:06	00:01:24	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
नेप			कुंभ	04:06:38	00:00:03	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	11:37:40	00:01:35	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
दशम भाव			कर्क	27:54:19	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:37

लग्न-चलित

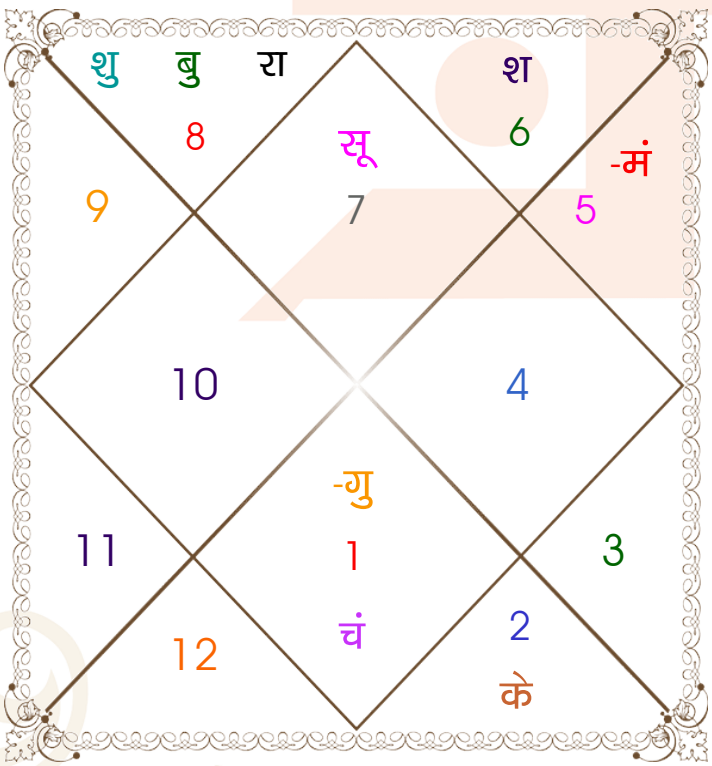

चन्द्र कुंडली

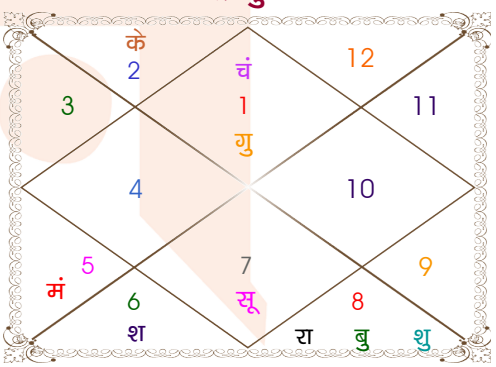

नवमांश कुंडली

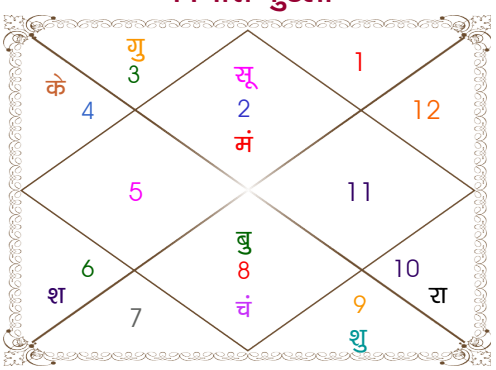

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 0 वर्ष 9 मास 3 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
11/11/2011		14/08/2012		15/08/2018		14/08/2028		15/08/2035	
14/08/2012		15/08/2018		14/08/2028		15/08/2035		15/08/2053	
	00/00/0000	सूर्य	02/12/2012	चंद्र	15/06/2019	मंगल	11/01/2029	राहु	27/04/2038
	00/00/0000	चंद्र	03/06/2013	मंगल	14/01/2020	राहु	29/01/2030	गुरु	20/09/2040
	00/00/0000	मंगल	08/10/2013	राहु	15/07/2021	गुरु	05/01/2031	शनि	28/07/2043
	00/00/0000	राहु	02/09/2014	गुरु	14/11/2022	शनि	14/02/2032	बुध	13/02/2046
	00/00/0000	गुरु	21/06/2015	शनि	15/06/2024	बुध	10/02/2033	केतु	04/03/2047
	00/00/0000	शनि	02/06/2016	बुध	14/11/2025	केतु	09/07/2033	शुक्र	04/03/2050
	00/00/0000	बुध	09/04/2017	केतु	15/06/2026	शुक्र	08/09/2034	सूर्य	26/01/2051
	11/11/2011	केतु	15/08/2017	शुक्र	14/02/2028	सूर्य	14/01/2035	चंद्र	27/07/2052
केतु	14/08/2012	शुक्र	15/08/2018	सूर्य	14/08/2028	चंद्र	15/08/2035	मंगल	15/08/2053

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
15/08/2053		15/08/2069		14/08/2088		16/08/2105		15/08/2112	
15/08/2069		14/08/2088		16/08/2105		15/08/2112		12/11/2131	
गुरु	03/10/2055	शनि	17/08/2072	बुध	11/01/2091	केतु	12/01/2106	शुक्र	16/12/2115
शनि	15/04/2058	बुध	28/04/2075	केतु	08/01/2092	शुक्र	14/03/2107	सूर्य	15/12/2116
बुध	21/07/2060	केतु	05/06/2076	शुक्र	08/11/2094	सूर्य	20/07/2107	चंद्र	16/08/2118
केतु	27/06/2061	शुक्र	06/08/2079	सूर्य	15/09/2095	चंद्र	18/02/2108	मंगल	16/10/2119
शुक्र	26/02/2064	सूर्य	18/07/2080	चंद्र	13/02/2097	मंगल	16/07/2108	राहु	16/10/2122
सूर्य	14/12/2064	चंद्र	16/02/2082	मंगल	10/02/2098	राहु	03/08/2109	गुरु	16/06/2125
चंद्र	15/04/2066	मंगल	28/03/2083	राहु	31/08/2100	गुरु	10/07/2110	शनि	15/08/2128
मंगल	22/03/2067	राहु	01/02/2086	गुरु	07/12/2102	शनि	19/08/2111	बुध	16/06/2131
राहु	15/08/2069	गुरु	14/08/2088	शनि	16/08/2105	बुध	15/08/2112	केतु	12/11/2131

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 0 वर्ष 9 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।